विस्तार होगी उनका मौद्रिक आय का स्तर ऊँचा होगा। यदि उसके निर्यात अधिक होंगे तो उसके निर्यात उद्योगों का विस्तार होगा। परिणामस्वरूप, इन उद्योगों में मुद्रा मजदूरी का स्तर बढ़ेगा। श्रम की प्रतियोगिता बढ़ेगी और अन्य उद्योगों को मजदूरी का स्तर बढ़ाकर निर्यात उद्योगों के मजदूरी स्तर तक लाना पड़ेगा। इसप्रकार देश में मुद्रा आय का सामान्य स्तर बढ़ेगा परन्तु देश में आयातित विदेशी वस्तुओं की कीमतें कम होंगी, जबकि लोगों की मौद्रिक आय का स्तर ऊँचा होगा। इसलिए देश के लोगों को लाभ होगा, क्योंकि वे सस्ती आयातित वस्तुओं का उपभोग करेंगे। इसके विपरीत जिस देश की विदेशी वस्तुओं के लिए उसकी माँग अधिक होगी, इसलिए विदेशी वस्तुओं की कीमतें अधिक होंगी। परिणाम यह होगा कि उस देश के लोगों को हानि होगी, क्योंकि वे महंगी आयातित वस्तुओं का उपभोग करेंगे।

5. देश का आकार (Size of the nation)

देश का आकार भी अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ को प्रभावित करता है। एक छोटे देश को बड़े देश की तुलना में अधिक लाभ मिलने की सम्भावना रहती है। क्योंकि छोटा देश अपने विनिमय अनुपात में परिवर्तन किये बिना किसी एक वस्तु के उत्पादन में विशिष्टीकरण कर सकता है और उनके लाभ प्राप्त कर सकता है। इसके विपरीत बड़ा देश विशिष्टीकरण का लाभ नहीं उठा पाता क्योंकि विशिष्टीकरण के प्रयास में वस्तु की पूर्ति बहुत अधिक बढ़ जाती है और विश्व बाजार में वस्तु का मूल्य घट जाता है जिसके कारण व्यापार से बड़े देशों का लाभ भी कम हो जाता है।

6. परिवहन लागत (Transport Cost)

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से मिलने वाला लाभ परिवहन लागत से भी प्रभावित होता है। परिवहन लागत में कमी होने पर विदेशी व्यापार का क्षेत्र और विस्तृत हो जाता है।

और साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्राप्त होने वाला लाभ भी अधिक हो जाता है। इसके विपरीत परिवहन लागत बढ़ जाने पर विदेशी व्यापार का क्षेत्र सीमित हो जाता है और विदेशी व्यापार से मिलने वाला लाभ भी घट जाता है।

7. निर्यातित वस्तुओं की प्रकृति (Nature of Commodities Exported)

निर्यातित वस्तुओं की प्रकृति भी व्यापार के लाभ को निर्धारित करती है। एक देश जो मुख्यतः प्राथमिक वस्तुओं का निर्यात करता है उसके व्यापार की शर्तें प्रतिकूल होती है। फलस्वरूप इसका व्यापार से लाभ भी कम होता है। इसके विपरीत जो देश विनिर्मित वस्तुओं का निर्यात करता है उसकी व्यापार की शर्तें अनुकूल होती है और इसलिए उसके व्यापार से लाभ भी अधिक होते है।

8. प्रौद्योगिक स्थितियां (Technological Conditions)

जो देश प्रौद्योगिकी की दृष्टि से उन्नत और पूंजी प्रचुर होता है उसके व्यापार की मात्रा प्रायः बड़ी होती है और इसका अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ भी अधिक होता है। इसके विपरीत यदि देश प्रौद्योगिकी की दृष्टि से पिछड़ा तथा श्रम प्रचुर रहे तो इसके व्यापार की मात्रा थोड़ी होगी तथा व्यापार से लाभ कम होगा।

———×

Dr Sandhya Rani
(Part -2)